एम.ए. सेमेस्टर III (संस्कृत) 2018-2019

प्रश्न पत्र कूट संख्या - M3 SAN 01 CT01

प्रश्न-पत्र I - गद्य, काव्य एवं पुराण

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

शिवराजविजय (प्रथम विराम के प्रथम , द्वितीय निश्वास)

नैषधीयचरितम् (प्रथम सर्ग)

पुराण का सामान्य -परिचय ।

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ:-

प्रथम इकाई	-	शिवराजविजय प्रथम तथा द्वितीय निश्वास
द्वितीय इकाई	-	शिवराजविजय तथा अम्बिकादत्त व्यास
तृतीय इकाई	-	नैषधीयचरितम् (प्रथम सर्ग) श्लोक 1 से 145 तक
चतुर्थ इकाई	-	नैषधीयचरितम् (प्रथम सर्ग) की विषयवस्तु तथा श्रीहर्ष का व्यक्तित्व एवं कृतित्व
पंचम इकाई	-	पुराण का सामान्य परिचय

सन्दर्भ -ग्रन्थ -

(1) शिवराजविजय -अम्बिकादत्त व्यास
(2) नैषधीयचरितम् -श्रीहर्ष
(3) अम्बिकादत्त व्यास - एक अध्ययन - कृष्ण कुमार
(4) नैषधपरिशीलन - चण्डिकाप्रसाद शुक्ल
(5) संस्कृत साहित्य का इतिहास - बलदेव उपाध्याय
(6) संस्कृत साहित्य का इतिहास - डॉ. प्रीतिप्रभा गोयल

एम.ए. सेमेस्टर III (संस्कृत) 2018-2019

प्रश्न पत्र कूट संख्या - M3 SAN 01 CT02

प्रश्न-पत्र II - संस्कृत कवि

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

1. अश्वघोष, कालिदास, माघ, भारवि, श्रीहर्ष, कल्हण, बिल्हण, भास, शूद्रक, हर्षवर्धन, दण्डी, सुबन्धु

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत, विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ:-

प्रथम इकाई - अश्वघोष एवं कालिदास
द्वितीय इकाई - माघ, भारवि, श्रीहर्ष
तृतीय इकाई - कल्हण एवं बिल्हण
चतुर्थ इकाई - भवभूति, शूद्रक एवं हर्षवर्धन
पंचम इकाई - दण्डी एवं सुबन्धु

सन्दर्भ -ग्रन्थ -

(1) संस्कृत साहित्य का इतिहास - डॉ. विश्वनाथ शर्मा
(2) संस्कृत साहित्य का इतिहास - कपिल द्विवेदी
(3) संस्कृत साहित्य का इतिहास - डॉ. प्रीतिप्रभा गोयल
(4) संस्कृत साहित्य का इतिहास - डॉ. बलदेव उपाध्याय

एम.ए. सेमेस्टर III (संस्कृत) 2018-2019

प्रश्न पत्र कूट संख्या - M3 SAN 01 EP03 (A)

प्रश्न-पत्र III - काव्य शास्त्र

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

काव्यप्रकाश (प्रथम से षष्ठ उल्लास पर्यन्त)

काव्यशास्त्र के प्रमुख सम्प्रदायों का सामान्य -परिचय

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ -

प्रथम इकाई - काव्यप्रकाश 1-2 उल्लास

द्वितीय इकाई - काव्यप्रकाश 3-4 उल्लास

तृतीय इकाई - काव्यप्रकाश 5-6 उल्लास

चतुर्थ इकाई - काव्यप्रकाश पर आधारित प्रश्न

पंचम इकाई - काव्यशास्त्र के प्रमुख सम्प्रदायों का परिचय

सन्दर्भ ग्रन्थ

(1) काव्यप्रकाश - आचार्य मम्मट - वामनाचार्य झलकीकर

(2) भारतीय साहित्यशास्त्र - जी.टी. देशपाण्डे

(3) भारतीय साहित्यशास्त्र (भाग 1 -2) - पण्डित बलदेव उपाध्याय

(4) अलंकारशास्त्र का इतिहास - डॉ. कृष्णकुमार।

एम.ए. सेमेस्टर III (संस्कृत) 2018-2019

प्रश्न पत्र कोड संख्या M3 SAN 01 EP03 (B)

प्रश्न-पत्र III - वेदान्त दर्शन

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

1. ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य: प्रथम अध्याय, प्रथम पाद के 1-4 सूत्र (चतुःसूत्री) ।
2. ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य: द्वितीय अध्याय, द्वितीय पाद 1-45 सूत्र

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयॉ -

प्रथम इकाई - ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य, प्रथम अध्याय ,प्रथमपाद के 1-2 सूत्र

द्वितीय इकाई - ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य, प्रथम अध्याय ,प्रथमपाद के 3-4 सूत्र

तृतीय इकाई - ब्रह्मसूत्र द्वितीय अध्याय, द्वितीयपाद की 1-23 सूत्र

चतुर्थ इकाई - ब्रह्मसूत्र द्वितीय अध्याय, द्वितीयपाद की 24 - 45 सूत्र

पंचम इकाई - ब्रह्मसूत्रकार एवं भाष्यकार का व्यक्तित्व एवं कृतित्व एवं महत्त्व तथा ब्रह्मसूत्र द्वितीय अध्याय द्वितीय पाद की विषयवस्तु।

सहायक पुस्तके:-

(1) ब्रह्मसूत्र शांकर भाष्य - व्या,स्वामी योगीन्द्रानन्द

(2) ब्रह्म शांकर भाष्य (चतुः सूत्री) - व्या. आचार्य विश्वेश्वर

(3) भारतीय दर्शन - सम्पा. डॉ. एन. के. देवराज

एम.ए. सेमेस्टर III (संस्कृत) 2018-2019

प्रश्न पत्र कूट संख्या - M3 SAN 01 EP04 (A)

प्रश्न-पत्र IV- साहित्य शास्त्र

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

रसगंगाधर (प्रथम आनन) - आरम्भ से रसभेद निरूपण तक

ध्वन्यालोक (प्रथम उद्योत)

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयां -

प्रथम इकाई - रसगंगाधर (प्रथम आनन) के आरम्भ से काव्यभेद तक ।

द्वितीय इकाई - रसगंगाधर (प्रथम आनन) के 'रसस्वरूप' से लेकर रसभेद निरूपण तक

तृतीय इकाई - रसगंगाधर के कर्ता तथा विषयवस्तु आधारित प्रश्न।

चतुर्थ इकाई - ध्वन्यालोक पर (प्रथम उद्योत)

पंचम इकाई - ध्वन्यालोक पर आधारित प्रश्न

सहायक पुस्तकें

(1) रसगंगाधर - पंडित जगन्नाथ

(2) ध्वन्यालोक - आनंदवर्धन

एम.ए. सेमेस्टर III (संस्कृत) 2018-2019

प्रश्न पत्र कूट संख्या M3 SAN 01 EP04 (B)

प्रश्न-पत्र IV - सांख्य दर्शन

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

सांख्यतत्त्वकौमुदी - वाचस्पति मिश्र

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयॉ -

प्रथम इकाई - सांख्यतत्त्वकौमुदी (1 से 21 कारिका)

द्वितीय इकाई - सांख्यतत्त्वकौमुदी (22से 45 कारिका)

तृतीय इकाई - सांख्यतत्त्वकौमुदी (46से 72 कारिका)

चतुर्थ इकाई - त्रिविध दुःख, तापत्रय, गुणत्रय, व्यक्त, अव्यक्त एवं ज्ञ स्वरूप, प्रत्यक्षबाधक, दृष्ट /आनुश्रविक उपाय विवेचन।

पंचम इकाई - सांख्य दर्शन का सामान्य परिचय एवं प्रतिपाद्य। सांख्यतत्त्वकौमुदी परिचय एवं सार, सृष्टि प्रक्रिया (क्रम) प्रत्यय सर्ग (बौद्धिक सृष्टि), त्रिविध प्रमाण, प्रकृति-पुरुष, साम्य-वैषम्य, प्रकृति स्वरूप अथवा पुरुष स्वरूप निरूपण ।

सहायक पुस्तके:-

(1) सांख्यतत्त्वकौमुदी - वाचस्पति मिश्र

(2) भारतीय दर्शन - दत्ता एण्ड चटर्जी

(3) भारतीय दर्शन - बलदेव उपाध्याय

एम.ए. सेमेस्टर III (संस्कृत) 2018-2019

प्रश्न पत्र कूट संख्या - M3 SAN 01 EP05 (A)

प्रश्न-पत्र V- संस्कृत नाटक

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

उत्तररामचरितम् -भवभूति

कर्णभारम् -भास

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ -

प्रथम इकाई - उत्तररामचरितम् नाटक के 1-3 अंक

द्वितीय इकाई - उत्तररामचरितम् नाटक के 4-7 अंक

तृतीय इकाई - उत्तररामचरितम् नाटक की विषयवस्तु पर आधारित प्रश्न, अंकों का सार, अंको का वैशिष्ट्य, उत्तररामचरितम् की विशेषता से सम्बन्धित प्रश्न ।

चतुर्थ इकाई - कर्णभार नाटक से श्लोक व्याख्या।

पंचम इकाई - कर्णभार नाटक के कर्ता तथा विषयवस्तु से सम्बन्धित प्रश्न।

सहायक पुस्तके

(1) उत्तररामचरितम् नाटक-भवभूति

(2) कर्णभारम्-भास

(3) महाकविभवभूति-गंगासागर राय

(4) भवभूति के नाटक-डॉ. ब्रजबल्लभ शर्मा

(5) संस्कृत नाट्यसाहित्य-

एम.ए. सेमेस्टर III (संस्कृत) 2018-2019
प्रश्न पत्र कूट संख्या - M3 SAN 01 EP05 (B)
प्रश्न-पत्र V- न्याय वैशेषिक दर्शन

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

1) न्यायसिद्धान्तमुक्तावली -विश्वनाथ (प्रत्यक्ष खण्ड दिग् पर्यन्त कारिका 46 तक)

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयॉ-

प्रथम इकाई	-	न्यायसिद्धान्तमुक्तावली: प्रत्यक्ष खण्ड की कारिका 1 से 22 तक
द्वितीय इकाई	-	न्यायसिद्धान्तमुक्तावली: प्रत्यक्ष खण्ड के पूर्वार्द्ध से प्रश्न
तृतीय इकाई	-	न्यायसिद्धान्तमुक्तावली: प्रत्यक्ष खण्ड की कारिका 23 से 34 तक
चतुर्थ इकाई	-	न्यायसिद्धान्तमुक्तावली: प्रत्यक्ष खण्ड की कारिका 35 से 46 तक
पंचम इकाई	-	न्याय वैशेषिक दर्शन का सामान्य परिचय तथा न्यायसिद्धान्तमुक्तावली के उत्तरार्द्ध से प्रश्न

सहायक पुस्तके:-

(1) न्यायसिद्धान्त मुक्तावली - ज्वालाप्रसाद गौड

(2) न्यायसिद्धान्त मुक्तावली (प्रत्यक्ष खण्ड) डॉ. धर्मेन्दनाथ शास्त्री

(3) भारतीय दर्शन न्याय-वैशेषिक - डॉ. धर्मेन्दनाथ शास्त्री
(4) न्यायसिद्धान्त मुक्तावली (प्रत्यक्ष खण्ड) - मुसलगांवकर
(5) भारतीय न्याय शास्त्र - डॉ. ब्रह्ममित्र अवस्थी
(6) वैशेषिक दर्शन - डॉ. श्री नारायण मिश्र
(7) न्याय-वैशेषिक तथा अन्य भारतीय दर्शन (न्याय लीलावती के आलोक में) - डॉ. नरेन्द्र अवस्थी राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर ।

एम.ए. सेमेस्टर III (संस्कृत) 2018-2019

प्रश्न पत्र कूट संख्या - M3 SAN 01 EP06 (A)

प्रश्न-पत्र VI- विशेष अध्ययन - कालिदास (खंडकाव्य एवं नाटक)

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

१- ऋतुसंहार एवं मेघदूत

२- अभिज्ञान-शाकुन्तलम्

३- मालविकाग्निमित्र

४- विक्रमोर्वशीयम्

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयॉ-

प्रथम इकाई	-	ऋतुसंहार (बसन्तऋतु), मेघदूत (मेघमार्ग)
द्वितीय इकाई	-	अभिज्ञान शाकुन्तलम् -कथावस्तु, पात्र व रस विमर्श
तृतीय इकाई	-	मालविकाग्निमित्र -मूलपाठ (अंक 1-2) कथावस्तु, पात्र व रस विमर्श
चतुर्थ इकाई	-	विक्रमोर्वशीयम् - मूलपाठ (अंक 1-2) कथावस्तु, पात्र व रस विमर्श
पंचम इकाई	-	महाकवि कालिदास व्यक्तित्व व कृतित्व तथा भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के प्रतिनिधि कवि के रूप में मूल्यांकन।

सहायक पुस्तके:-

(1) कालिदास ग्रन्थावली - पं. रेवा प्रसाद द्विवेदी

(2) कालिदास ग्रन्थावली - पं. सीताराम चतुर्वेदी

(3) संस्कृत साहित्य का इतिहास - पं. बलदेव उपाध्याय

(4) कालिदास की लालित्य योजना - पं. हजारी प्रसाद द्विवेदी

एम.ए. सेमेस्टर III (संस्कृत) 2018-2019
प्रश्न पत्र कूट संख्या - M3 SAN 01 EP06 (B)
प्रश्न-पत्र VI- वेदान्त दर्शन के प्रमुख आचार्य

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

1) वेदान्तदर्शन का परिचय
2) वेदान्त के प्रमुख आचार्य
3) भारतीय धर्म दर्शन परम्परा के विकास में वेदान्त के आचार्यों का योगदान

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयॉ-

प्रथम इकाई - वेदान्तदर्शन का उद्भव एवं विकास
द्वितीय इकाई - शंकर एवं रामानुज - व्यक्तित्व-कृतित्व एवं प्रमुख सिद्धांत
तृतीय इकाई - मध्व एवं चैतन्य - व्यक्तित्व-कृतित्व एवं प्रमुख सिद्धांत
चतुर्थ इकाई - वल्लभ एवं निम्बार्क - व्यक्तित्व-कृतित्व एवं प्रमुख सिद्धांत
पंचम इकाई - भारतीय धर्म एवं दर्शन परम्परा में उपर्युक्त आचार्यों का योगदान एवं महत्व।

सहायक पुस्तके:-

(1) भारतीय दर्शन - राधाकृष्णन
(2) भारतीय दर्शन - बलदेव उपाध्याय
(3) भारतीय दर्शन - हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा
(4) श्री वैष्णव सिद्धांत संग्रह- अरैयर श्रीराम शर्मा
(5) धर्म और दर्शन - बलदेव उपाध्याय
(6) भागवत संप्रदाय - बलदेव उपाध्याय